भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

श्री नरेन्द्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने वड़ोदरा हवाईअड्डे पर नया एकीकृत टर्मिनल भवन राष्ट्र को समर्पित किया ।

वड़ोदरा हवाईअड्डा, 22 अक्टूबर, 2016.

श्री नरेन्द्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने दिनांक 22 अकटूबर, 2016 को, श्री ओ.पी. कोहली, गुजरात के राज्यपाल श्री विजय रूपानी, गुजरात के मुख्यमंत्री, श्री पी. अशोक गजपति राज, कंद्रीय नागर विमानन मंत्री, श्री जयंत सिन्हा, केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री, श्री नितिन भाई पटेल, उप मुख्यमंत्री, गुजरात, श्री राजेन्द्र सूर्यप्रसाद त्रिवेदी, राज्यमंत्री खेल, युवा सांस्कृतिक गतिविधि (स्वतंत्र प्रभार), तीर्थयात्रा विकास, गुजरात सरकार, श्री आर. एन. चौबे, सविच नागर विमानन, डॉ. गुरूप्रसाद महापात्र, अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण एवं अन्य उच्चाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में वड़ोदरा हवाईअड्डे पर नया एकीकृत टर्मिनल भवन राष्ट्र को समर्पित किया । माननीय प्रधानमंत्री ने नई सुविधा का जायजा लिया तथा भवन के आगमन क्षेत्र में हवाई पटिट्का का अनावरण किया ।

नया टर्मिनल भवन व्यस्ततम समय में 700 यात्रियों (500 अंतर्देशीय तथा 200 अंतरराष्ट्रीय) को संभालने में सक्षम है । टर्मिनल भवन का निर्माण कुल 630.60 एकड़ भूमि क्षेत्र सहित 17500 वर्ग मीटर के कुल क्षेत्र पर हुआ है । टर्मिनल भवन क्यूट, चेक इन काउंटर्स, आरक्षित लाउंज, वी.आई.पी. लाउंज, एयर एवं सिटी साइड के अग्रभाग में क्लीनिंग सिस्टम, स्वचालित सीढ़ियॉ, एलीवेटर्स, शून्य वेस्ट के साथ जल मल शोधन संयंत्र, वर्षा जल संचयन, ऊर्जा दक्ष ग्लास, टर्मिनल भवन के बाहर अनोखा फूड कोर्ट एवं कार पार्किंग इत्यादि जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है । भवन की छत के लिए 164.2 मीटर लंबी केवल एक ही शीट का प्रयोग किया गया है । इस विशेषता के लिए इस भवन का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है । हवाईअड्डे के एयर साइड में एप्रनएवं टैक्सी ट्रैक उपलब्ध हैं । एप्रन 13 विमानों की पार्किंग हेतु सक्षम है । इस नए एकीकृत टर्मिनल भवन का निर्माण कुल 160 करोड रुपए की लागत से किया गया है । नए एकीकृत टर्मिनल भवन में अपेक्षित यात्री सुविधाएं काफी हद तक उपलब्ध हैं, चाहे मामला आराम का हो, सुविधा का हो, सौंदर्य का हो या इसके पर्यावरण अनुकूल होने का । इस सुविधा से विशेषकर राज्य के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही इससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति प्राप्त होगी ।

.....

विमानपत्तन निदेशक, वडोदरा द्वारा जारी

सं. 43/2016-17